सुनना और समझना

***स्कूल का पहला दिन* नामक कहानी सुनते समय ख़ाली जगहें सही शब्द से भरें।** Słuchając opowiadania *Pierwszy dzień szkoły*, proszę uzupełnić luki właściwymi słowami.

स्कूल में आज मेरा पहला दिन है। माँ मेरा   पकड़े हुए हैं और मेरे साथ चल रही हैं।

मैंने माँ से कहा - "मैं अब   हो गई हूँ।"

"चलो, रहने दो।" - यह कहते हुए माँ ने मेरा हाथ और कसके पकड़ लिया।

स्कूल के पास बहुत सारे   हैं। कुछ   से आते हैं। कुछ   से आते हैं। कुछ   से आते हैं। कुछ   से और कुछ   आते हैं - मेरी तरह।

हम फाटक तक पहुँचे। माँ ने मेरा हाथ छोड़ दिया। वह   पर रुक गईं। अब मुझे अकेले अंदर जाना है। मेरे चारों तरफ़ बहुत से   हैं। मैं एक क़दम चलती हूँ। मैं क़दम   हूँ। मैं पीछे मुड़कर देखती हूँ। जैसे मैं आगे बढ़ती जा रही हूँ माँ और छोटी दिखाई देने   हैं। कहीं वह ग़ायब तो नहीं हो जाएँगी? मैं दौड़कर उनके   जाती हूँ। अब मुझे नहीं लगता कि मैं बड़ी हो चुकी हूँ। मैं उनका हाथ पकड़ती हूँ और   हूँ - "मत जाओ!"

सभी अंदर जा चुके हैं। सिर्फ़ मैं   हूँ। टीचर   बाहर आती हैं। वह मुझे देख मुस्कराती हैं। मैं भी   हूँ। माँ कहती हैं - "रानी, जब तुम बाहर आओगी मैं यहीं मिलूँगी।"

मैं उनका हाथ छोड़ देती हूँ। वह हाथ   हैं। मैं दोड़कर अंदर जाती हूँ। अब मुझे पता है कि माँ   होने पर मुझे वहीं मिलेंगी।

LIVEWORKSHEETS

फ़िल्म देखकर प्रश्नों के उत्तर दें। Proszę obejrzeć film i odpowiedzieć na pytania.

१. रेलगाड़ी से कौन उतरता है?

२. हाथी किधर जाना चाहता है?

३. रिक्शा क्यों बार-बार रुकता है?

४. रिक्शेवाला मीकी गायों को रास्ते से हटाने के लिए क्या करता है?

५. 17 घंटे के बाद वे कहाँ पहुँचते हैं?

६. रिक्शा फिर से कैसे चलने लगता है?

७. पहाड़ पहुँचने के बाद हाथी क्यों ग़ायब हो जाता है?

८. रिक्शेवाले मीकी को मदद के बदले क्या मिलता है?

LIVEWORKSHEETS